बिहार विधान परिषद

205वां शीतकालीन सत्र

10 नवंबर 2023

: **[शिक्षा - खान एवं भूतत्व - कला, संस्कृति एवं युवा विज्ञान एवं प्रावैधिकी].**

कुल प्रश्न 22

पूर्व की भांति नामांकन

***76 डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के साथ-साथ उच्च माध्यमिक विद्यालयों (इण्टरमीडिएट कक्षा) में UMIS तथा OFSS पद्धति के तहत छात्र-छात्राओं का नामांकन लिया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि छात्र-छात्राओं से नामांकन की प्रक्रिया में बहुविकल्पीय संस्थानों का नाम लिया जाता है जिस क्रम में उनका नामांकन उनके निवास-स्थान से अत्यधिक दूर होने से वर्गाध्यापन में शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है और साथ ही छात्रोपस्थिति इसी कारण से प्रभावित होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पूर्व की भांति नामांकन का प्रावधान खण्ड 'क' में वर्णित शिक्षण संस्थानों में करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

समस्या का निराकरण

*77 **श्री महेश्वर सिंह (पूर्वी चम्पारण स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **विज्ञान एवं प्रावैधिकी** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के अभियंत्रण महाविद्यालयों में अब भी 40 प्रतिशत सीटें खाली हैं जबकि इस बार सरकार ने कई जगह नई शाखाएं भी खोली हैं;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा परिषद् (बीसीईसीई) के साथ समीक्षा कराकर इस समस्या का निराकरण करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

नियोजन करने पर विचार

*78 **श्री संजय पासवान (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि नवादा जिला के शिक्षा पदाधिकारी ने अपने पत्रांक – 1332/स्था०, दिनांक – 02.05.2015 के माध्यम से काशीचक प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को वर्ष 2008 के शेष 36 पदों पर नियोजन का आदेश दिया था;

(ख) क्या यह सही है कि अपीलीय प्राधिकार तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी के आदेश के बावजूद अबतक नियोजन की कार्रवाई सम्पन्न नहीं की गयी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अपीलीय प्राधिकार के आदेश के आलोक में छुटे हुए लोगों के नियोजन की कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

आंतरिक संस्थाओं की कमी

*79 **प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि उत्क्रमित, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में भवन, उपष्कर एवं अन्य आवश्यक आंतरिक संरचनाओं की कमी है;

(ख) क्या यह सही है कि पूरे राज्य के विद्यालयों में पेय जल, शौचालय, प्रयोगशाला, प्रयोगशाला सहायक, रात्रि प्रहरी इत्यादी का अभाव रहने के कारण पठन-पाठन प्रभावित हो रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कबतक आंतरिक संरचनाओं से उक्त विद्यालयों को समृद्ध करना चाहती है?

शौचालय की व्यवस्था

*80 **प्रो. (डा.) नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राजधानी पटना के 3486 सरकारी विद्यालयों में 1116 स्कूलों में शौचालय की स्थिति बद से बदतर है;

(ख) क्या यह सही है कि विभागीय आंकड़ों के अनुसार 75466 सरकारी स्कूलों में से 74622 में छात्र-छात्राओं एक साथ पढ़ते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि 2427 स्कूलों में शौचालय की सफाई नहीं होने के कारण गंदे पड़े हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पूरे राज्य के साथ-साथ राजधानी पटना के शेष 1116 विद्यालयों में शौचालय की व्यवस्था यथाशीघ्र करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण का विचार

*81 **श्री कुमार नागेन्द्र (स्थानीय प्राधिकार, जहानाबाद, गया एवं अरवल):**

क्या मंत्री, **कला, संस्कृति एवं युवा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि गया एवं जहानाबाद जिले के इण्डोर स्टेडियम की हालत काफी जर्जर है;

(ख) क्या यह सही है कि दोनों जिलों के इण्डोर स्टेडियम की हालत जर्जर होने के कारण इसका सही सदुपयोग नहीं हो पा रहा है और खेल-कूद में भी काफी परेशानी हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शीघ्र गया एवं जहानाबाद के इण्डोर स्टेडियम की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

कम्प्यूटर लैब स्थापित कबतक

*82 **श्री नीरज कुमार (पटना स्नातक):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य में कुल लक्ष्य 10 हजार मध्य एवं माध्यमिक विद्यालयों में से 4 हजार 707 विद्यालयों में आई.सी.टी. कंप्यूटर लैब स्थापित करने का आदेश दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकार चयनित मध्य विद्यालयों में 10 कंप्यूटर एवं प्लस टू विद्यालयों में 20 कंप्यूटर लैब स्थापित करना चाहती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार चयनित विद्यालयों में कंप्यूटर लैब स्थापित कबतक करना चाहती है, नहीं तो क्यों?

वास्तविक पता स्पष्ट करने पर विचार

*83 **श्री अशोक कुमार (स्थानीय प्राधिकार, नवादा):**

क्या मंत्री, **विज्ञान एवं प्रावैधिकी** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि नवादा जिला के अंतर्गत नरहट प्रखंड के ग्राम खंनवा में राजकीय पोलीटेक्निक कॉलेज है;

(ख) क्या यह सही है कि बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डा. श्री कृष्ण सिंह जी की स्मृति पर राजकीय पोलीटेक्निक कॉलेज की स्थापना की गई थी;

(ग) क्या यह सही है कि राजकीय पोलीटेक्निक कॉलेज, मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर अवस्थित है, वहां परीक्षा केन्द्र रहने के कारण दूसरे जिला से आये अभ्यर्थियों को वास्तविक पता स्पष्ट नहीं रहने के कारण परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अभ्यर्थियों के हित में राजकीय पोलीटेक्निक कॉलेज, नवादा को बदलकर बिहार केशरी डा. श्रीकृष्णा सिंह राजकीय पोलीटेक्निक कॉलेज, खनवां करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

समस्या का निदान कबतक

*84 **डा. अजय कुमार सिंह (सहरसा स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सहरसा शहर स्थित कन्या उच्च विद्यालय, पूरब बाजार में लगभग एक हजार छात्राएं पढ़ती हैं;

(ख) क्या यह सही है कि कन्या उच्च विद्यालय, पूरब बाजार में भवन व वर्ग कक्ष की

कमी है। चहारदीवारी के अभाव में छात्राओं के लिए सुरक्षित भी नहीं है, साथ ही अन्य मूलभूत सुविधाएं यथा शौचालय, पेयजल का अभाव है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कन्या उच्च विद्यालय, पूरब बाजार में भवन व वर्गकक्ष, चहारदीवारी, शौचालय एवं पेयजल जैसी समस्याओं के निदान व निर्माण का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

अनुदान का भुगतान

*85 **श्री जीवन कुमार (शिक्षक गया):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार के स्थापित नियमावली के तहत 715 (515 बालक, 200 बालिका) माध्यमिक प्रस्वीकृत एवं स्थापना अनुमति प्राप्त विद्यालयों का संचालन विगत 40 वर्षों से किया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा दिनांक – 19.05.2009 को संकल्प संख्या – 538 से अधिसूचित कर वित्तरहित शिक्षा नीति समाप्त करते हुए मैट्रिक में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के आधार पर प्रतिवर्ष अनुदान देने का प्रावधान किया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि सभी अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के जांचोपरांत सत्र – 2010-11 तक अनुदान की राशि उपलब्ध कराई गई है परंतु सत्र 2011-12 से अब तक अनुदान की राशि का भुगतान लंबित है। साथ ही बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा शैक्षणिक सत्र 2014-15 एवं 2015-16 के अनुदान की राशि को शिक्षा विभाग, बिहार के आदेश पर उक्त विद्यालयों की पुनः जांच के नाम पर रोक कर रखा गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के सभी प्रस्वीकृत/स्थापना अनुमति प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षकेतर कर्मी जो कि आर्थिक दंश झेलते हुए भुखमरी की स्थिति में आ गये हैं, के लंबित अनुदान का भुगतान यथाशीघ्र करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

विद्यालयों में मिड डे मिल कबतक

*86 **श्रीमती रीना देवी (स्थानीय प्राधिकार, नालन्दा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के विद्यालयों में मिड डे मिल एन.जी.ओ. के माध्यम से बनवाकर विद्यालयों में पहुंचाया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि खाना ससमय नहीं पहुंचने के कारण ठंडा हो जाता है

जिसके कारण खाना स्वादहीन हो जाता है तथा बच्चे इसे नहीं खा पाते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पूर्व के नियमानुसार विद्यालय शिक्षा समिति की देख-रेख में विद्यालयों में ही मिड डे मिल बनवाना चाहती है?

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा

*87 **श्री सर्वेश कुमार (स्नातक दरभंगा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि बिहार सरकार द्वारा बीपीएससी परीक्षा के माध्यम से एक लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, इससे विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है तथा स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है;

(ख) क्या यह सही है कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मानक तैयार किये गए हैं, विद्यालयों को इन गुणवत्ता मानकों के आधार पर परफॉर्मेंस के आधार पर रैंकिंग निर्धारण करने, गुणवत्ता मानकों के अनुरूप जो विद्यालय में शिक्षक काम कर रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर पुरस्कृत करने की योजना है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शैक्षिक गुणवत्ता के मानक तैयार करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

अंग्रेजी विद्यालय खोलने का विचार

*88 **प्रो. (डा.) रामबली सिंह (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि स्कूली शिक्षा को गुणवत्ता पूर्ण बनाने के लिए सरकार द्वारा अब तक कोई अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय नहीं खोला गया है;

(ख) क्या यह सही है कि कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों का आर्थिक स्थति ठीक नहीं रहने के कारण प्राईवेट विद्यालयों में जाना मुश्किल है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मेधावी आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए राज्य के सभी जिलो में अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय खोलने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

डिग्री कॉलेज खोलने का विचार

*89 **श्री मंगल पांडेय (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सिवान जिलान्तर्गत सिसवन एवं हसनपुर प्रखंड में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है, जबकि सभी पंचायतों में इंटर कॉलेज हैं, उसके विद्यार्थी पास होने के बाद सिवान शहर में डिग्री कॉलेज की कमी और सीटें कम होने से नामांकन कराने से वंचित हो जाते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि इन दोनों प्रखंडों में डिग्री कॉलेज नहीं रहने से छात्रों को सुदूर स्थानों पर पढ़ने के लिए जाने हेतु बाध्य होना पड़ता है जिसके कारण कई गरीब एवं जरूरतमंद छात्र डिग्री शिक्षा से वंचित रह जाते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इन दोनों प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोलने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

आदेश कबतक

*90 **श्री अफाक अहमद खां (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **खान एवं भूतत्व** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला अन्तर्गत रफीगंज प्रखंड के सरायचक में पचार पहाड़ स्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि पचार पहाड़ पर पुराना जैन मंदिर और मजार है और पहाड़ पर उत्खनन कार्य होने के कारण मंदिर और मजार के गिरने का खतरा बना हुआ है;

(ग) क्या यह सही है कि पत्थर तोड़ने वाले विस्फोटक से आस-पास का वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जिससे वहां पर रहने वाली आबादी प्रभावित हो रही है;

(घ) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा आवंटित क्षेत्र से अधिक उत्खनन कार्य किया जा रहा है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पचार पहाड़ पर होने वाले उत्खनन कार्य को रोकने का आदेश देना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

सेवांत लाभ का भुगतान

*91 **श्री सौरभ कुमार (पश्चिमी चम्पारण स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि 31 दिसंबर 2020 को बिहार राज्य संस्कृत अकादमी से

सेवानिवृत्त हुए श्री हृदय नारायण झा को सेवांत लाभ यथा ग्रैच्युटी एवं उपार्जित अवकाश लाभ का भुगतान नहीं हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि माननीय पटना उच्च न्यायालय में संस्कृत अकादमी कर्मियों द्वारा दायर याचिका में न्यायालय द्वारा पारित आदेश का अनुपालन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किया जा चुका है जिसमें राज्य कर्मियों के समक्ष वेतन आदि की सुविधा अकादमी कर्मियों को देय कहा गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार हृदय नारायण झा के सेवानिवृत्ति लाभ सहित छठे एवं सातवें वेतन आयोग द्वारा अनुशंसित वेतन अन्तर की राशि का भुगतान तुरंत कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

भवन का निर्माण

***92 श्री बिनोद कुमार जयसवाल (स्थानीय प्राधिकार, सीवान):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सिवान जिला में रघुनाथपुर प्रखण्ड के दिघवलिया हाई स्कूल के भवन निर्माण विभागीय फण्ड प्रस्ताव प्राप्त है;

(ख) क्या यह सही है कि स्कूल की सरकारी जमीन 5 एकड़ है, लेकिन दबंगों के द्वारा उक्त जमीन को अतिक्रमण कर लिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि दबंगों द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा करने के कारण स्कूल में पठन-पाठन एवं शैक्षणिक वातावरण दूषित हो रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार असामाजिक तत्वों के चंगुल से जमीन को मुक्त करा कर स्कूल के भवन का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

नियुक्ति की योजना

***93 श्री देवेश कुमार (मनोनीत):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि बी.पी.एस.सी ने टी.आर.आई यानी शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है, इस बहाली के बाद स्कूलों में पहले से सेवा दे रहे कई नियोजित शिक्षकों ने भी बी.पी.एस.सी शिक्षक भर्ती परीक्षा दी और सफल भी हुए हैं। कुल ऐसे कितने नियोजित शिक्षकों की संख्या है जो इस बार बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा में सफल हुए हैं;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बताएगी कि जिन नियोजित शिक्षकों का बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा में चयन हो गया है और उनकी तैनाती नए प्रमोटेड हाई स्कूल और प्लस +2 में की जाएगी तो पुराने स्कूलों में शिक्षकों की कमी और वहां अब जो रिक्तियां होगी उन पदों पर नियुक्ति के लिए शिक्षा विभाग के पास क्या योजना है?

भवन की मरम्मती एवं कमरों का निर्माण

***94 श्री अशोक कुमार पाण्डेय (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि रोहतास जिला अन्तर्गत दिनारा प्रखंड में जनता उच्च विद्यालय तेनुआ नटवारा स्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय में छात्र-छात्राओं की संख्या काफी है और काफी सुदूर इलाकों से पठन-पाठन के लिए आते हैं, लेकिन विद्यालय का भवन पूर्णत: जर्जर है और वर्षा के दिनों में पानी भी भर जाता है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय में कमरों की संख्या कम रहने के कारण छात्र-छात्राओं को बैठने में भी काफी परेशानी होती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय के जर्जर भवन की पूर्णत: मरम्मत करने के साथ कमरों का निर्माण कबतक कराना चाहती है?

विद्यालय का नाम पूर्ववत् रखने पर विचार

***95 श्रीमती अम्बिका गुलाब यादव (मधुबनी स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के कलुबाही प्रखंड की हरीपुर उतर पंचायत के 10+2 उच्च विद्यालय मलमल का नामकरण पहले यदुनंदन ठाकुर उच्च विद्यालय था;

(ख) क्या यह सही है कि 1990 से पहले यदुनंदन ठाकुर उच्च विद्यालय था, लेकिन वर्तमान में सिर्फ 10+2 उच्च विद्यालय मलमल है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार विद्यालय का नाम पूर्ववत् रखने का विचार रखती है?

भवन निर्माण कबतक

*96 **श्री राजीव कुमार (बेगूसराय स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिला के मनसूरचक प्रखंड की साठा पंचायत में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अवस्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय के भवन निर्माण का कार्य राष्ट्रभाषा शिक्षा विभाग पटना द्वारा आधारभूत संरचना के द्वारा किया जा रहा था;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय भवन का निर्माण तीन वर्ष पूर्व से संवेदक को काली सूची में डालने के कारण बंद पड़ा हुआ है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बेगूसराय जिला के मनसूरचक प्रखंड की साठा पंचायत में अवस्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के भवन निर्माण का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

महाविद्यालय खोलने की कार्रवाई

*97 **श्री राजीव कुमार उर्फ गप्पू बाबू (गोपालगंज स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा अन्तर्गत गोपालगंज जिले में मात्र चार अंगीभूत कॉलेज तथा एक मान्यता प्राप्त कॉलेज है;

(ख) क्या यह सही है कि दो हजार वर्ग किलोमीटर में अवस्थित लगभग 35 लाख की आबादी वाले गोपालगंज जिले के विद्यार्थियों को मात्र 5 कॉलेज में ही अध्ययन का अवसर प्राप्त हो पाता है जिसके चलते अनेक छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा के अधिकार से वंचित हो जाते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार छात्रहित में गोपालगंज जिले के समीपवर्ती प्रखंडों में भी महाविद्यालय खोलने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?